

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

प्रथम वर्ष —राजस्थानी — परीक्षा 2023

बी.ए. पार्ट - I

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक —200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक 100

प्रथम प्रश्न पत्र—आधुनिक राजस्थानी काव्य

समय—3 घंटे

पूर्णांक—100

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

पाठ्यपुस्तकें

1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी) : सं. रावत सारस्वत
(कवि क्रं.सं. 2, 9, 14, 20, 29, 32, 34, 39, 41, 48, 50 केवल)
2. मानखो (काव्य) : गिरधारी सिंह पड़िहार

विशिष्ट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा से संबंधित अध्ययन
2. काव्य शास्त्र : गुण, शब्द—” शक्तियाँ एवं अलंकार
3. शब्द बोध : तत्सम एवं तद्भव शब्द।

प्रश्नपत्र एवं अंक योजना

इकाई 1

भाग 'अ' : अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए— कोई आन्तरिक विकल्प नहीं

(10 प्रश्न: शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम)

1x10 = 10 अंक

भाग 'ब' : दो लघुत्तरात्मक प्रश्न —दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक—एक प्रश्न कोई आन्तरिक विकल्प नहीं

(2 प्रश्न : शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न)

2x5 = 10 अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं — पाठ्यपुस्तकों पर आधारित

दो व्याख्याएं (राजस्थान के कवि) आन्तरिक विकल्प सहित
दो व्याख्याएं (मानखो) आन्तरिक विकल्प सहित

4x5 = 20 अंक

इकाई 3

राजस्थान के कवि (केवल चयनित कवि) के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 400 शब्द)

1x15 = 15 अंक

इकाई 4

'मानखो' काव्य कति के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 400 शब्द)

1x15 = 15 अंक

इकाई 5

भाग 'अ' आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द सीमा : 200 शब्द सीमा)

1x10 = 10 अंक

भाग 'ब' गुण: ओज, प्रसाद, माधुर्य, भाव भाक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना अलंकार—यमक, भलेश, रूपक, उपमा, अनुप्रास और वैण सगाई सामान्य परिचय

10 अंक

भाग 'स' तत्सम एवं तद्भव शब्द — (10 शब्द)

10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :

1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी) सं. रावत सारस्वत
प्रकाशक : राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी), बीकानेर
2. मानखो : गिरधारी सिंह पड़िहार
प्रकाशक : पड़िहार प्रकाशन, कोरियों का मोहल्ला, बीकानेर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1. राजस्थानी साहित्य : डॉ० मोतीलाल मेनारिया
प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास : सीताराम लालस
प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्रोत और प्रवृत्तियाँ : डॉ० किरण नाहटा
प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर।

द्वितीय प्रश्न-पत्र
आधुनिक राजस्थानी गद्य

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

पाठ्य पुस्तकें

1. 'उकरास' (राजस्थानी कहानी संग्रह) : सं. सांवर दइया
(कहानी क्रं सं. — 1, 3, 6, 10, 14, 15, 21, 22, 24, 25 केवल)
पूर्व में निर्धारित कहानी 'कीमिया रो बाप' को हटाया गया।
2. राजस्थानी गद्य संकलन : (सं.) डॉ० कल्याण सिंह शेखावत
(सम्पूर्ण संकलन : पाठ क्रमांक 11, 13, और 16 को छोड़कर)

विशिट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं सक्षिप्त परिचय — कहानी, उपन्यास एवं नाटक।
3. भाशा बोध एवं अनुवाद : राजस्थानी से हिन्दी और हिन्दी से राजस्थानी।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1

भाग 'अ' : अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए— कोई आन्तरिक विकल्प नहीं

(10 प्रश्न: शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम)

1x10 = 10 अंक

भाग 'ब' : दो लघूत्तरात्मक प्रश्न —दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक-एक प्रश्न कोई आन्तरिक विकल्प नहीं

(2 प्रश्न : शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न)

2x5 = 10 अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं — पाठ्यपुस्तकों पर आधारित

दो व्याख्याएं (उकरास) आन्तरिक विकल्प सहित

दो व्याख्याएं (राजस्थानी गद्य संकलन) आन्तरिक विकल्प सहित

4x5 = 20 अंक

इकाई 3

उकरास (केवल चयनित कहानियाँ) के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 400 शब्द)

1x15 = 15 अंक

इकाई 4

राजस्थानी गद्य संकलन के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 400 शब्द)

1x15 = 15 अंक

इकाई 5

भाग 'अ' आधुनिक राजस्थानी गद्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द सीमा : 200 शब्द सीमा)

1x10 = 10 अंक

भाग 'ब' आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं – संक्षिप्त परिचय: कहानी, उपन्यास एवं नाटक। एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित (शब्द सीमा : 200 शब्द)

10 अंक

भाग 'स' अनुवाद-चयनित गद्यांश-हिन्दी से राजस्थानी राजस्थानी से हिन्दी

2x5= 10 अंक

पाठ्य पुस्तकें :

1. 'उकरास' (कहानी संग्रह) : (सम्पादक) सांवर दइया
प्रकाशक : राजस्थानी भाषी साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर (कहानी क्र.सं.-1, 3, 6, 10, 14, 15, 21, 22, 24, 25, केवल)
2. राजस्थानी गद्य संकलन : (सं.) डॉ० कल्याण सिंह भोखावत
प्रकाशक : जोधपुर विश्वविद्यालय प्रकाशन, जोधपुर
अभिप्रेतावित ग्रंथ- प्रथम प्रश्न के साथ उल्लेखित ग्रंथ इस प्रश्न के लिए भी उपयोगी है।

बी.ए. पार्ट - II परीक्षा - 2023
राजस्थानी

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक - 200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक - 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक - 100

प्रथम प्रश्न पत्र - मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

समय - 3 घंटे

पूर्णांक - 100

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

पाठ्य पुस्तकें

1. नागदमण : सांयाजी झूला (सं.) मूलचन्द प्राणेश
2. राजिया रा दूहा : किरपाराम (सं.) नरोत्तमदास स्वामी

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य का इतिहास
काव्यगत प्रवृत्तियां - भक्ति एवं नीति परक साहित्य - प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार।
2. विविध काव्यरूपों का परिचय ।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1

भाग अ : अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए - कोई आन्तरिक विकल्प नहीं
(10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) 1x10 = 10 अंक

भाग ब : दो लघूत्तरात्मक प्रश्न - दोनों पाठ्यपुस्तकें में से एक-एक प्रश्न कोई आन्तरिक विकल्प नहीं
(2 प्रश्न : शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2x5 = 10 अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं- दोनो पाठ्यपुस्तकों पर आधारित
दो व्याख्याएं ('नागदमण')में से आन्तरिक विकल्प सहित
दो व्याख्याएं (राजिया रा दूहा) में से आन्तरिक विकल्प सहित 4x5 = 20 अंक

इकाई 3

नागदमण से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4

राजिया रा दूहा से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न - आन्तरिक विकल्प सहित

इकाई 5

भाग 'अ' मध्यकालीन राजस्थानी काव्य : विकास एवं परम्परा, भक्ति एवं नीति साहित्य, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : एक परिचात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित

(शब्द सीमा : 200 शब्द)

1x 10 = 10 अंक

भाग 'ब' विविध काव्य रूप : महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तककाव्य, परिचयात्मक प्रश्न - आन्तरिक विकल्प सहित (शब्द सीमा : 200 शब्द)

10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :

1. नागदमण : सांयाजी झुला : (सम्पादक) मूलचन्द प्राणेश ।
प्रकाशक : भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर ।
2. 'राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी
प्रकाशक : सस्ता साहित्य मण्डल, बीकानेर ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा : अगरचंद नाहटा राधाकृष्ण प्रकाशक : दिल्ली ।
2. परंपरा (शोध पत्रिका) : राजस्थानी मध्यकाल विशेषांक, प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
3. काव्य के रूप : डॉ. गुलाबराय
4. समीक्षा सिद्धान्त : डॉ. रामप्रकाश ।

द्वितीय प्रश्न पत्र - मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

समय - 3 घंटे

पूर्णांक - 100

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

पाठ्य पुस्तकें

1. राजस्थानी वात संग्रह : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा
(वात संख्या : 2, 7, 15, 20, 21, 23, 29, 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46, 48 केवल)
2. कहवाट विलास : (सं.) डॉ. सौभाग्यसिंह शेखावत एवं डॉ. देव कोठारी

विशिष्ट अध्ययन

- 1 मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास 5 विकास एवं परम्परा ।
- 2 मध्यकालीन गद्य विद्याओं का संक्षिप्त परिचय ।
प्रकाशक : साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर

इकाई 1

भाग अ : अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए - कोई आन्तरिक विकल्प नहीं
(10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) $1 \times 10 = 10$ अंक

भाग ब : दो लघूत्तरात्मक प्रश्न - दोनों पाठ्यपुस्तकें में से एक-एक प्रश्न कोई आन्तरिक विकल्प नहीं
(2 प्रश्न : शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) $2 \times 5 = 10$ अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं- दोनो पाठ्यपुस्तकों पर आधारित
दो व्याख्याएं ('राजस्थानी वात संग्रह') आन्तरिक विकल्प सहित दो व्याख्याएं (कहवाट विलास)
आन्तरिक विकल्प सहित $4 \times 5 = 20$ अंक

इकाई 3

राजस्थानी वात संग्रह पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4

'कहवाट विलास' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न - आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 5

भाग 'अ' मध्यकालीन गद्य साहित्य : विकास एवं परम्परा, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : एक प्रश्न
आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा : 200 शब्द) $1 \times 10 = 10$ अंक

भाग 'ब' मध्यकालीन गद्य विधाएं - परिचयात्मक (वात, ख्यात, दवावैत, वचनिका, टब्बा, टीका, टिप्पण, वंशावली आदि) 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :

1. राजस्थानी वात संग्रह : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा ।
प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
(वात संख्या : 2, 7, 15, 20, 21, 23, 29, 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46, 48 केवल)
2. कहवाट विलास : (सं.) डॉ. सौभाग्यसिंह शेखावत एवं डॉ. देव कोठारी
प्रकाशक : साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

राजस्थानी गद्य साहित्य : उद्भव और विकास : डॉ. शिवस्वरूप शर्मा

नोट : प्रथम प्रश्न पत्र में उल्लेखित अभिप्रस्तावित गंध इस पत्र के लिए भी उपयोगी है।

बी.ए. पार्ट-III परीक्षा-2023

राजस्थानी

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक - 200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक - 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक - 100

प्रथम प्रश्न पत्र - प्राचीन राजस्थानी काव्य

समय - 3 घंटे

पूर्णांक - 100

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

पाठ्यपुस्तकें

- | | | |
|----------------------|---|---------------------|
| 1. ढोला मारू रा दूहा | : | (स) डा. मनोहर शर्मा |
| 2. गोरा बादिल चरित्र | : | (स) मुनि जिनविजय |

विशिष्ट अध्ययन

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा - प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार
2. प्रमुख रस, राजस्थानी छन्द एवं काव्य दोष ।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1

भाग अ : अतिलघूततरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए - कोई आन्तरिक विकल्प नहीं (10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) $1 \times 10 = 10$ अंक

भाग ब : दो लघूततरात्मक प्रश्न - दोनों पाठ्यपुस्तकें में से एक-एक प्रश्न कोई आन्तरिक विकल्प नहीं (2 प्रश्न : शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) $2 \times 5 = 10$ अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं- पाठ्यपुस्तकों पर आधारित

दो व्याख्याएं (ढोला मारू रा दूहा - प्रथम 100 दूहा) आन्तरिक विकल्प सहित

दो व्याख्याएं (गोरा बादिल चरित्र-प्रथम 150 छन्द) आन्तरिक विकल्प सहित $4 \times 5 = 20$ अंक

इकाई 3

ढोला मारू रा दूहा' से आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित

(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द)

20 अंक

इकाई 4

‘गोरा बादिल चरित्र’ से आलोचनात्मक प्रश्न - आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द)

20 अंक

इकाई 5

भाग ‘अ’ प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा, : प्राचीन राजस्थानी रचनाएं
एवं रचनाकार परिचयात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा : 200 शब्द)

1X 10 = 10 अंक

भाग ‘ब’ : रस, छंद एवं काव्य दोष

1. प्रमुख रस - सामान्य परिचय
2. प्रमुख राजस्थानी छंद : दूहा भेदों सहित, वेलियो, छोटा साणोर, झमाल, पट्टडिया, कवित्त।
3. राजस्थानी काव्य दोष : छबकाळ, अंधदोष, अपस्, अमगळ, बेहरो, जाति विरुद्ध, निनंग : परिचय एवं उदाहरण

10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :

1. ढोला मारू रा दूहा : (सं.) डा. मनोहर शर्मा
प्रकाशक: राजस्थानी जनहित प्रन्यास, गंगाशहर, बीकानेर
2. गोरा बादिल चरित्र : (सं.) मुनि जिनविजय
प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रति ठान, जोधपुर।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. अलंकार परिजात : डा. नरोत्तम स्वामी
2. रघुनाथ रूपक : महताब चंद खारेड़
प्रकाशक: साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

नोट : इनके अतिरिक्त द्वितीय प्रश्न पत्र के साथ उल्लेखित अभिप्रस्तावित ग्रंथ प्रथम प्रश्न पत्र के लिए भी उपयोगी है।

द्वितीय प्रश्न पत्र - राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं निबंध

समय : 3 घंटे

पूर्णांक 100

अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी भाषा का उद्भव एवं विकास, राजस्थानी लिपि का ज्ञान ।
2. राजस्थानी साहित्य का काल विभाजन - आदिकाल, पूर्वमध्यकाल, उत्तरमध्यकाल, आधुनिक काल - युगीन परिवेश, प्रवृत्तियां. रचनाएं एवं रचनाकार।

3. राजस्थानी लोकसाहित्य : लोक साहित्य - सामान्य परिचय : राजस्थानी लोक साहित्य की विधाएं - लोक कथा, लोकगीत, लोकनाट्य, लोकोक्तियां ।
4. राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन ।
- नोट :-** इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नहीं किया गया है ।

इकाई विभाजन

इकाई 1

राजस्थानी भाषा का उद्भव एवं विकास - राजस्थानी लिपि (मुडिया लिपि) का सामान्य ज्ञान।

इकाई 2

राजस्थानी साहित्य का आदिकाल एवं पूर्वमध्यकाल-युगीन परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, रचना एवं रचनाकार ।

इकाई 3

राजस्थानी साहित्य का उतरमध्यकाल एवं आधुनिक काल -युगीन परिस्थितियां. प्रवृत्तियां, रचना एवं रचनाकार, काव्य धाराएं एवं गद्य विधाएं ।

इकाई 4

राजस्थानी लोक साहित्य - सामान्य परिचय, लोक साहित्य की विधाएं-लोक कथा लोकगीत, लोकनाट्य, लोकोक्तियां ।

इकाई 5

राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन (पांच विकल्पों में किसी एक विषय पर)

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

प्रश्न सं. 1

भाग 'अ' अतिलघूतरात्मक प्रश्न कुल 10 प्रश्न - कोई आन्तरिक विकल्प नहीं

(शब्द सीमा : 15 शब्द अधिकतम)

2X 5 = 10 अंक

भाग 'ब' लघूतरात्मक प्रश्न- 2 प्रश्न कोई आन्तरिक विकल्प नहीं

(शब्द सीमा : 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न)

2X 5 = 10 अंक

विशेष (भाग 'अ' और 'ब' के प्रश्न इकाई 1 से 4 में पूछे जाएंगे)

प्रश्न सं. 2 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 1 में से आन्तरिक विकल्प सहित

(शब्द सीमा 400 शब्द)

15 अंक

प्रश्न सं. 3 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 2 में से आन्तरिक विकल्प सहित

(शब्द सीमा 400 शब्द)

15 अंक

प्रश्न सं. 4 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 3 में से आन्तरिक विकल्प सहित

(शब्द सीमा 400 शब्द)

15 अंक

- प्रश्न सं. 5 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 4 में से आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा 400 शब्द) 15 अंक
- प्रश्न सं. 6 : राजस्थानी भाषा में निबंध - पांच विकल्पों में से किसी विषय पर
(शब्द सीमा 300 शब्द) 15 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

- राजस्थानी भाषा : डा. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या साहित्य संस्थान, उदयपुर
- पुरानी राजस्थानी : एल. पी. टैसीटरी (अनु.) डा. नामवर सिंह
- राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया
राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर
- राजस्थानी भाषा और साहित्य : डा. मोती लाल मेनारिया, साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
- राजस्थानी भाषा और परिचय : नरोत्तमदास स्वामी
- राजस्थानी सबद कोस (प्रथम खं.) (सं.) : सीताराम लालस (प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौ. जोधपुर)
- डिंगल साहित्य : डा. गोवर्द्धन शर्मा
- राजस्थानी व्याकरण : सीता राम लालस
- राजस्थानी लोक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन : डा. सोहनदान चारण
- लोक साहित्य विज्ञान : डा. सत्येन्द्र
- लोक साहित्य की भूमिका : डा. क. भणदेव उपाध्याय
- राजस्थान का लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता
- आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्रोत एवं प्रवृत्तिया : डा. किरण नाहटा
- राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियां : डा. देव कोठारी प्रकाशक : साहित्य संस्थान, उदयपुर
- नोट : प्रथम प्रश्न पत्र में उल्लेखित अभिप्रस्तावित ग्रंथ इस पत्र के लिए भी उपयोगी है ।